July-
September 26

Aryavart Journal of Multidisciplinary Research
(NATIONAL PEER REVIEWED E-RESEARCH JOURNAL)
E-ISSN 3107-6009

Vol - 2
Issue - 3

कोष प्रवाह विवरण एवं रोकड़ प्रवाह विवरण का तुलनात्मक अध्ययन

देवेंद्र निरंजन
सहायक प्राध्यापक
वाणिज्य एवं प्रबंधन
आर्यावर्त विश्वविद्यालय, सीहोर (म.प्र.)

सारांश

वर्तमान व्यावसायिक वातावरण में किसी भी संस्था की वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन केवल लाभ-हानि विवरण एवं स्थिति विवरण के आधार पर करना पर्याप्त नहीं है। संस्था के वित्तीय संसाधनों की प्राप्ति उपयोग तथा उनके आवागमन को समझने के लिए कोष प्रवाह विवरण एवं रोकड़ प्रवाह विवरण महत्वपूर्ण वित्तीय विवरण हैं। कोष प्रवाह विवरण संस्था में कार्यशील पूँजी के स्रोतों एवं उनके उपयोग में होने वाले परिवर्तनों को स्पष्ट करता हैए जबकि रोकड़ प्रवाह विवरण एक निश्चित अवधि में रोकड़ एवं रोकड़ समतुल्य की प्राप्तियों तथा भुगतानों का विश्लेषण प्रस्तुत करता है।

इस शोध पत्र में कोष प्रवाह विवरण एवं रोकड़ प्रवाह विवरण की अवधारणा उद्देश्य महत्व उपयोगिता सीमाएँ तथा दोनों के मध्य प्रमुख अंतरों का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि दोनों विवरणों का उद्देश्य संस्था की वित्तीय गतिविधियों को समझने में सहायता करना हैए लेकिन दोनों की प्रकृति आधार उद्देश्य तथा उपयोगिता में पर्याप्त अंतर है। कोष प्रवाह विवरण मुख्यतः कार्यशील पूँजी में परिवर्तन पर केंद्रित होता है जबकि रोकड़ प्रवाह विवरण रोकड़ की वास्तविक स्थिति तथा उसके स्रोत एवं उपयोग पर अधिक बल देता है।

प्रमुख शब्द

कोष प्रवाह विवरण रोकड़ प्रवाह विवरणए कार्यशील पूँजी रोकड़ वित्तीय विवरण वित्तीय प्रबंधन तरलता।

Aryavart Journal of Multidisciplinary Research
(NATIONAL PEER REVIEWED E-RESEARCH JOURNAL)
E-ISSN 3107-6009

1.प्रस्तावना

व्यवसाय की सफलता के लिए केवल लाभ अर्जित करना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि संस्था के पास पर्याप्त तरलता एवं वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता भी आवश्यक है। अनेक बार कोई संस्था लेखांकन की दृष्टि से लाभ में होती है फिर भी उसके पास दैनिक दायित्वों को पूरा करने के लिए पर्याप्त रोकड़ उपलब्ध नहीं होती। ऐसी स्थिति में वित्तीय विवरणों के अतिरिक्त ऐसे विवरणों की आवश्यकता होती है जो संस्था में धन तथा रोकड़ के प्रवाह को स्पष्ट कर सकें।

वित्तीय विश्लेषण के क्षेत्र में कोष प्रवाह विवरण तथा रोकड़ प्रवाह विवरण का विशेष महत्व है। कोष प्रवाह विवरण का विकास मुख्यतः कार्यशील पूँजी में होने वाले परिवर्तनों को समझने के लिए हुआ। यह बताता है कि संस्था कोष कहाँ से प्राप्त करती है तथा उनका उपयोग किन उद्देश्यों के लिए किया जाता है। दूसरी ओर रोकड़ प्रवाह विवरण संस्था की वास्तविक रोकड़ स्थिति को समझने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसमें संचालनात्मक निवेशात्मक तथा वित्तीय गतिविधियों से होने वाले रोकड़ प्रवाह को अलग अलग प्रदर्शित किया जाता है।

आधुनिक व्यवसाय में रोकड़ का प्रभावी प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। संस्था को अपने कर्मचारियों आपूर्तिकर्ताओं ऋणदाताओं तथा अन्य पक्षों को समय पर भुगतान करना होता है। इसलिए प्रबंधन के लिए यह जानना आवश्यक है कि भविष्य में कितनी रोकड़ उपलब्ध होगी और उसकी आवश्यकता कितनी होगी। इसी संदर्भ में कोष प्रवाह विवरण एवं रोकड़ प्रवाह विवरण का तुलनात्मक अध्ययन वित्तीय प्रबंधन की दृष्टि से महत्वपूर्ण हो जाता है।

2. अध्ययन की आवश्यकता

वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक व्यावसायिक वातावरण में वित्तीय संसाधनों का कुशल प्रबंधन संस्था की सफलता का प्रमुख आधार है। वित्तीय विवरण संस्था की लाभप्रदता एवं वित्तीय स्थिति के बारे में जानकारी देते हैंए लेकिन इनके माध्यम से धन के आवागमन की पूरी तस्वीर हमेशा स्पष्ट नहीं होती। कोष प्रवाह विवरण तथा रोकड़ प्रवाह विवरण इस कमी को दूर करने में सहायता करते हैं। इन विवरणों के अध्ययन से प्रबंधक यह समझ सकते हैं कि संस्था में वित्तीय संसाधनों का

Aryavart Journal of Multidisciplinary Research
(NATIONAL PEER REVIEWED E-RESEARCH JOURNAL)
E-ISSN 3107-6009

निर्माण किस प्रकार हुआ और उनका उपयोग कहाँ किया गया। अध्ययन की प्रमुख आवश्यकता निम्नलिखित कारणों से है -

1. वित्तीय संसाधनों के स्रोतों की जानकारी प्राप्त करना।
2. संसाधनों के उपयोग का विश्लेषण करना।
3. कार्यशील पूँजी में परिवर्तन को समझना।
4. संस्था की रोकड़ स्थिति का मूल्यांकन करना।
5. अल्पकालीन वित्तीय निर्णयों में सहायता प्राप्त करना।
6. भविष्य की वित्तीय योजना तैयार करना।
7. संस्था की भुगतान क्षमता का मूल्यांकन करना।
8. वित्तीय प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाना।

3. अध्ययन के उद्देश्य

इस शोध.पत्र के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं

1. कोष प्रवाह विवरण की अवधारणा को स्पष्ट करना।
2. रोकड़ प्रवाह विवरण की अवधारणा को समझना।
3. दोनों विवरणों के उद्देश्यों का अध्ययन करना।
4. कोष प्रवाह एवं रोकड़ प्रवाह विवरण की उपयोगिता का अध्ययन करना।
5. दोनों विवरणों के मध्य अंतर स्पष्ट करना।
6. कार्यशील पूँजी एवं रोकड़ के संबंध का अध्ययन करना।
7. वित्तीय निर्णयों में दोनों विवरणों की भूमिका का विश्लेषण करना।
8. दोनों विवरणों की सीमाओं का अध्ययन करना।

4. शोध पद्धति

प्रस्तुत अध्ययन मुख्यतः वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक प्रकृति का है। इसमें द्वितीयक आँकड़ों एवं प्रकाशित सामग्री का उपयोग किया गया है।

4.1. आँकड़ों के स्रोत

Aryavart Journal of Multidisciplinary Research
(NATIONAL PEER REVIEWED E-RESEARCH JOURNAL)
E-ISSN 3107-6009

अध्ययन के लिए निम्न स्रोतों का उपयोग किया गया है -

- लेखांकन एवं वित्तीय प्रबंधन की पुस्तकें
- शोध.पत्र एवं शोध.अध्ययन
- वार्षिक रिपोर्ट
- वित्तीय विवरण
- लेखांकन मानक
- विश्वविद्यालयीय अध्ययन सामग्री
- विश्वसनीय ऑनलाइन स्रोत
- वित्तीय प्रबंधन संबंधी प्रकाशित सामग्री

4.2 अध्ययन की प्रकृति

यह अध्ययन मुख्यतः गुणात्मक एवं तुलनात्मक प्रकृति का है। इसमें दोनों वित्तीय विवरणों की अवधारणाओं तथा उनके उपयोग का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया है।

5. कोष प्रवाह विवरण की अवधारणा

कोष प्रवाह विवरण एक ऐसा वित्तीय विवरण है जो दो लेखांकन अवधियों के मध्य संस्था के कोष की स्थिति में हुए परिवर्तनों को दर्शाता है। यहाँ सामान्यत कार्यशील पूँजी से लिया जाता है। कार्यशील पूँजी का निर्धारणक -

कार्यशील पूँजी = चालू परिसंपत्तियाँ - चालू देनदारियाँ

कोष प्रवाह विवरण यह बताता है कि संस्था में कार्यशील पूँजी में वृद्धि या कमी किन कारणों से हुई। यदि संस्था की कार्यशील पूँजी में वृद्धि होती है तो यह सामान्यतः कोष का उपयोग माना जाता है। इसके विपरीत कार्यशील पूँजी में कमी को कोष का स्रोत माना जा सकता है।

6. कोष प्रवाह विवरण के प्रमुख उद्देश्य

कोष प्रवाह विवरण के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं-

6.1 कोष के स्रोतों की जानकारी

Aryavart Journal of Multidisciplinary Research
(NATIONAL PEER REVIEWED E-RESEARCH JOURNAL)
E-ISSN 3107-6009

यह बताता है कि संस्था ने वित्तीय संसाधन कहाँ से प्राप्त किए।

6.2 कोष के उपयोग का अध्ययन

यह जानकारी देता है कि प्राप्त वित्तीय संसाधनों का उपयोग किस प्रकार किया गया।

6.3 कार्यशील पूँजी में परिवर्तन

यह दो तिथियों के बीच कार्यशील पूँजी में हुए परिवर्तन को स्पष्ट करता है।

6.4 वित्तीय नियोजन

भविष्य की वित्तीय आवश्यकताओं के निर्धारण में यह प्रबंधन की सहायता करता है।

6.5 दीर्घकालीन निर्णय

दीर्घकालीन निवेश एवं वित्तीय निर्णयों के विश्लेषण में भी इसकी उपयोगिता होती है।

7. कोष प्रवाह विवरण का महत्व

कोष प्रवाह विवरण प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण वित्तीय विश्लेषण उपकरण है। इससे संस्था के वित्तीय संसाधनों के आवागमन को समझने में सहायता मिलती है। इसके प्रमुख लाभ हैं -

- वित्तीय संसाधनों का विश्लेषण।
- कार्यशील पूँजी की स्थिति की जानकारी।
- दीर्घकालीन वित्तीय योजना में सहायता।
- वित्तीय संसाधनों के उचित उपयोग का मूल्यांकन।
- निवेश निर्णयों में सहायता।
- पूँजी संरचना के विश्लेषण में सहायता।
- वित्तीय नियंत्रण को मजबूत करना।
- रोकड़ प्रवाह विवरण की अवधारणा

रोकड़ प्रवाह विवरण एक निश्चित अवधि में संस्था में होने वाली रोकड़ एवं रोकड़ समतुल्य की प्राप्तियों तथा भुगतानों का विवरण प्रस्तुत करता है।

यह मुख्यतः तीन प्रकार की गतिविधियों में विभाजित किया जाता है -

1 संचालन गतिविधियाँ

व्यवसाय की सामान्य गतिविधियों से संबंधित रोकड़ प्राप्तियाँ एवं भुगतान संचालन गतिविधियों के अंतर्गत आते हैं।

Aryavart Journal of Multidisciplinary Research
(NATIONAL PEER REVIEWED E-RESEARCH JOURNAL)
E-ISSN 3107-6009

उदाहरण -

- ग्राहकों से प्राप्त रोकड़।
- कर्मचारियों को भुगतान।
- आपूर्तिकर्ताओं को भुगतान।
- व्यवसाय के संचालन से संबंधित अन्य भुगतान।

2 निवेश गतिविधियाँ

दीर्घकालीन परिसंपत्तियों तथा निवेशों की खरीद एवं बिक्री से संबंधित रोकड़ प्रवाह निवेश गतिविधियों में शामिल होते हैं।

उदाहरण

- मशीनरी की खरीद।
- भूमि एवं भवन की खरीद।
- निवेशों की बिक्री।
- दीर्घकालीन परिसंपत्तियों की बिक्री।

3 वित्तीय गतिविधियाँ

पूँजी एवं ऋण से संबंधित रोकड़ प्रवाह वित्तीय गतिविधियों में आते हैं।

उदाहरण

- शेयर पूँजी का निर्गमन।
- ऋण प्राप्त करना।
- ऋण का भुगतान।
- लाभांश का भुगतान।

8. रोकड़ प्रवाह विवरण के उद्देश्य

रोकड़ प्रवाह विवरण के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं-

- रोकड़ के स्रोतों की जानकारी देना।

- रोकड़ के उपयोग का पता लगाना।
- संस्था की तरलता स्थिति का मूल्यांकन करना।
- भुगतान क्षमता का अध्ययन करना।
- भविष्य की रोकड़ आवश्यकताओं का अनुमान लगाना।
- वित्तीय निर्णयों में सहायता करना।
- निवेश एवं वित्तीय गतिविधियों का विश्लेषण करना।
- संस्था की रोकड़ प्रबंधन क्षमता का मूल्यांकन करना।

9. रोकड़ प्रवाह विवरण का महत्व

रोकड़ किसी भी व्यवसाय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण संसाधन है। संस्था को नियमित रूप से वेतन बिजली किराया कर ऋण एवं अन्य दायित्वों का भुगतान करना पड़ता है।

- रोकड़ प्रवाह विवरण प्रबंधन को यह समझने में सहायता करता है
- व्यवसाय से वास्तविक रोकड़ कितनी प्राप्त हुई।
- व्यवसाय की सामान्य गतिविधियों में कितनी रोकड़ खर्च हुई।
- कितनी राशि निवेश में लगाई गई।
- कितना ऋण प्राप्त किया गया।
- ऋण के भुगतान में कितनी राशि खर्च हुई।
- संस्था के पास अवधि के अंत में कितनी रोकड़ उपलब्ध है।

इस प्रकार यह संस्था की तरलता का विश्लेषण करने में अत्यंत उपयोगी है।

10. कोष प्रवाह विवरण एवं रोकड़ प्रवाह विवरण में अंतर

आधार	रोकड़ प्रवाह विवरण	कोष प्रवाह विवरण
अर्थ	रोकड़ एवं रोकड़ समतुल्य में परिवर्तन बताता है	कार्यशील पूँजी में परिवर्तन बताता है
मुख्य आधार	रोकड़	कार्यशील पूँजी
उद्देश्य	रोकड़ प्राप्ति एवं भुगतान का अध्ययन	कोष के स्रोत एवं उपयोग का

Aryavart Journal of Multidisciplinary Research
(NATIONAL PEER REVIEWED E-RESEARCH JOURNAL)
E-ISSN 3107-6009

		अध्ययन
प्रकृति	अधिक तरलता.केंद्रित विश्लेषण	व्यापक वित्तीय विश्लेषण
उपयोगिता	अल्पकालीन रोकड़ प्रबंधन	दीर्घकालीन वित्तीय नियोजन
वर्गीकरण	संचालनए निवेश एवं वित्तीय गतिविधियाँ	स्रोत एवं उपयोग
कार्यशील पूँजी	प्रत्यक्ष केंद्र नहीं	प्रमुख केंद्र
रोकड़ स्थिति	प्रत्यक्ष जानकारी	अप्रत्यक्ष जानकारी
वित्तीय निर्णय	दैनिक एवं अल्पकालीन निर्णयों में अधिक उपयोगी	दीर्घकालीन निर्णयों में उपयोगी
तरलता	अधिक स्पष्ट जानकारी	सीमित जानकारी

11 दोनों विवरणों की समानताएँ

यद्यपि दोनों विवरणों की प्रकृति अलग है फिर भी उनमें कुछ महत्वपूर्ण समानताएँ हैं।

1 वित्तीय विश्लेषण के उपकरण

दोनों वित्तीय विश्लेषण के महत्वपूर्ण उपकरण हैं।

2 वित्तीय संसाधनों की जानकारी

दोनों संस्था में वित्तीय संसाधनों के आवागमन को समझने में सहायता करते हैं।

3 प्रबंधन के लिए उपयोगी

दोनों विवरण प्रबंधन को वित्तीय निर्णय लेने में सहायता करते हैं।

4 भविष्य की योजना

दोनों के माध्यम से भविष्य की वित्तीय आवश्यकताओं का अनुमान लगाने में सहायता मिलती है।

5 वित्तीय नियंत्रण

दोनों विवरण संस्था में वित्तीय नियंत्रण को मजबूत करने में सहायक हैं।

12. तुलनात्मक विश्लेषण

Aryavart Journal of Multidisciplinary Research
(NATIONAL PEER REVIEWED E-RESEARCH JOURNAL)
E-ISSN 3107-6009

कोष प्रवाह विवरण एवं रोकड़ प्रवाह विवरण दोनों वित्तीय विश्लेषण के महत्वपूर्ण साधन हैं लेकिन दोनों की उपयोगिता अलग.अलग परिस्थितियों में अधिक होती है।कोष प्रवाह विवरण का प्रमुख उद्देश्य कार्यशील पूँजी में होने वाले परिवर्तनों को समझना है। उदाहरण के लिए यदि किसी संस्था ने दीर्घकालीन ऋण लेकर मशीनरी खरीदी है तो इसका प्रभाव कोष की स्थिति पर अलग तरीके से दिखाई देगा। इसके विपरीत रोकड़ प्रवाह विवरण वास्तविक रोकड़ के आवागमन को प्रदर्शित करता है। इससे संस्था के पास उपलब्ध रोकड़ एवं रोकड़ समतुल्य की वास्तविक स्थिति समझने में सहायता मिलती है। यदि किसी संस्था की लाभप्रदता अच्छी है लेकिन ग्राहकों से राशि समय पर प्राप्त नहीं हो रही है तो संस्था को रोकड़ की कमी का सामना करना पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में रोकड़ प्रवाह विवरण प्रबंधन के लिए अधिक उपयोगी होता है। इसी प्रकार कार्यशील पूँजी के प्रबंधन तथा दीर्घकालीन वित्तीय संसाधनों के विश्लेषण में कोष प्रवाह विवरण उपयोगी हो सकता है।

13. वित्तीय निर्णयों में दोनों विवरणों की भूमिका

वित्तीय निर्णय किसी संस्था के विकास एवं स्थायित्व के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। इन निर्णयों में वित्तीय विवरण महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

1 निवेश निर्णय

रोकड़ प्रवाह विवरण से यह पता चलता है कि संस्था के पास निवेश के लिए पर्याप्त रोकड़ उपलब्ध है या नहीं।

2 वित्तीय निर्णय

कोष प्रवाह विवरण से संस्था के दीर्घकालीन वित्तीय संसाधनों एवं उनके उपयोग का विश्लेषण किया जा सकता है।

3 कार्यशील पूँजी प्रबंधन

कोष प्रवाह विवरण कार्यशील पूँजी की स्थिति को समझने में उपयोगी है।

4 तरलता प्रबंधन

रोकड़ प्रवाह विवरण संस्था की अल्पकालीन भुगतान क्षमता को समझने में सहायता करता है।

5 बजट निर्माण

Aryavart Journal of Multidisciplinary Research
(NATIONAL PEER REVIEWED E-RESEARCH JOURNAL)
E-ISSN 3107-6009

भविष्य की रोकड़ आवश्यकताओं का अनुमान लगाकर रोकड़ बजट तैयार किया जा सकता है।

14. उदाहरण द्वारा तुलनात्मक अध्ययन

मान लीजिए किसी संस्था के पास वर्ष के प्रारंभ में -

चालू परिसंपत्तियाँ = 800000

चालू देनदारियाँ = 500000

अतः प्रारंभिक कार्यशील पूँजी

800000-500000 =300000

वर्ष के अंत में -

चालू परिसंपत्तियाँ = 1000000

चालू देनदारियाँ = 600000

अतः अंतिम कार्यशील पूँजी

1000000-60000-400000

कार्यशील पूँजी में वृद्धि-

400000-300000=100000

अतः कोष प्रवाह विवरण के दृष्टिकोण से कार्यशील पूँजी में ₹100000 की वृद्धि हुई।

अब यदि इसी अवधि में संस्था की रोकड़ -

प्रारंभिक रोकड़ =1,00,000

अंतिम रोकड़ =1,80,0000

तो रोकड़ में वृद्धि -

180000-100000= 80,000

इस उदाहरण से स्पष्ट है कि कार्यशील पूँजी में परिवर्तन और रोकड़ में परिवर्तन समान होना आवश्यक नहीं है। यही दोनों विवरणों के बीच महत्वपूर्ण अंतर को दर्शाता है।

Aryavart Journal of Multidisciplinary Research
(NATIONAL PEER REVIEWED E-RESEARCH JOURNAL)
E-ISSN 3107-6009

15. कोष प्रवाह विवरण की सीमाएँ

कोष प्रवाह विवरण की कुछ सीमाएँ भी हैं -

- यह वर्तमान समय की वास्तविक रोकड़ स्थिति को सीधे नहीं बताता।
- यह कार्यशील पूँजी पर अधिक केंद्रित रहता है।
- आधुनिक वित्तीय विश्लेषण में इसकी उपयोगिता कुछ परिस्थितियों में सीमित हो सकती है।
- गैर रोकड़ लेन देन के कारण इसका विश्लेषण जटिल हो सकता है।
- यह संस्था की दैनिक भुगतान क्षमता का पूर्ण चित्र प्रस्तुत नहीं करता।

16. रोकड़ प्रवाह विवरण की सीमाएँ

रोकड़ प्रवाह विवरण की भी कुछ सीमाएँ हैं -

- ❖ यह लाभप्रदता का पूर्ण माप नहीं है।
- ❖ केवल रोकड़ के आधार पर संस्था की संपूर्ण वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन नहीं किया जा सकता।
- ❖ गैर रोकड़ लेन देन इसमें प्रत्यक्ष रूप से प्रदर्शित नहीं होते।
- ❖ किसी अवधि में अधिक रोकड़ होना हमेशा अधिक लाभप्रदता का संकेत नहीं है।
- ❖ रोकड़ प्रवाह का विश्लेषण अन्य वित्तीय विवरणों के साथ करना अधिक उपयोगी होता है।

Aryavart Journal of Multidisciplinary Research

17. प्रबंधकीय दृष्टिकोण से उपयोगिता

प्रबंधकों के लिए दोनों विवरणों का विशेष महत्व है। कोष प्रवाह विवरण से यह समझने में सहायता मिलती है कि संस्था की कार्यशील पूँजी में परिवर्तन क्यों हुआ। इससे दीर्घकालीन वित्तीय योजना बनाने में सहायता मिलती है। रोकड़ प्रवाह विवरण प्रबंधकों को दैनिक एवं अल्पकालीन वित्तीय निर्णयों में सहायता करता है। इससे यह पता लगाया जा सकता है कि संस्था भविष्य में अपने दायित्वों को पूरा करने के लिए पर्याप्त रोकड़ उत्पन्न कर पाएगी या नहीं। दोनों विवरणों को एक साथ देखने पर संस्था की वित्तीय स्थिति का अधिक व्यापक मूल्यांकन किया जा सकता है।

Aryavart Journal of Multidisciplinary Research
(NATIONAL PEER REVIEWED E-RESEARCH JOURNAL)
E-ISSN 3107-6009

18. आधुनिक व्यावसायिक वातावरण में प्रासंगिकता

तकनीकी विकास बढ़ती प्रतिस्पर्धा एवं वैश्वीकरण के कारण व्यवसाय की वित्तीय आवश्यकताएँ लगातार बदल रही हैं। डिजिटल भुगतान ऑनलाइन बैंकिंग तथा त्वरित वित्तीय लेन देन ने रोकड़ प्रबंधन के स्वरूप को भी प्रभावित किया है। ऐसे वातावरण में रोकड़ प्रवाह विवरण का महत्व बढ़ गया है क्योंकि व्यवसायों को अपनी तरलता पर निरंतर निगरानी रखनी होती है। इसके साथ ही बड़े व्यवसायों के लिए कार्यशील पूँजी एवं दीर्घकालीन वित्तीय संसाधनों का विश्लेषण भी आवश्यक है। इसलिए कोष प्रवाह विवरण का अध्ययन भी वित्तीय प्रबंधन के लिए उपयोगी बना हुआ है।

19 प्रमुख निष्कर्ष

अध्ययन के आधार पर निम्नलिखित प्रमुख निष्कर्ष प्राप्त होते हैं -

कोष प्रवाह विवरण एवं रोकड़ प्रवाह विवरण दोनों वित्तीय विश्लेषण के महत्वपूर्ण उपकरण हैं।

- कोष प्रवाह विवरण मुख्यतः कार्यशील पूँजी में परिवर्तन पर केंद्रित है।
- रोकड़ प्रवाह विवरण रोकड़ एवं रोकड़ समतुल्य में परिवर्तन पर केंद्रित है।
- रोकड़ प्रवाह विवरण संस्था की तरलता की अधिक स्पष्ट जानकारी देता है।
- कोष प्रवाह विवरण दीर्घकालीन वित्तीय नियोजन में उपयोगी है।
- दोनों विवरण प्रबंधन के वित्तीय निर्णयों में सहायक हैं।

दोनों विवरणों का संयुक्त अध्ययन संस्था की वित्तीय स्थिति का बेहतर मूल्यांकन प्रदान करता है। केवल लाभ हानि विवरण के आधार पर संस्था की वित्तीय स्थिति का पूर्ण मूल्यांकन नहीं किया जा सकता। रोकड़ की पर्याप्त उपलब्धता व्यवसाय की अल्पकालीन स्थिरता के लिए आवश्यक है। कार्यशील पूँजी का उचित प्रबंधन व्यवसाय की दीर्घकालीन सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

20. सुझाव

अध्ययन के आधार पर निम्नलिखित सुझाव प्रस्तुत किए जा सकते हैं -

- संस्थाओं को नियमित रूप से रोकड़ प्रवाह का विश्लेषण करना चाहिए।

Aryavart Journal of Multidisciplinary Research
(NATIONAL PEER REVIEWED E-RESEARCH JOURNAL)
E-ISSN 3107-6009

- कार्यशील पूँजी के स्तर की निरंतर निगरानी की जानी चाहिए।
- ग्राहकों से बकाया राशि की समय पर वसूली सुनिश्चित करनी चाहिए।
- अल्पकालीन दायित्वों के लिए पर्याप्त रोकड़ उपलब्ध रखनी चाहिए।
- दीर्घकालीन निवेश निर्णयों में वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता को ध्यान में रखना चाहिए।
- प्रबंधन को कोष प्रवाह एवं रोकड़ प्रवाह दोनों का संयुक्त अध्ययन करना चाहिए।
- वित्तीय निर्णय लेते समय लाभप्रदता के साथ.साथ तरलता को भी महत्व देना चाहिए।

21. निष्कर्ष

कोष प्रवाह विवरण एवं रोकड़ प्रवाह विवरण दोनों संस्था की वित्तीय गतिविधियों को समझने के महत्वपूर्ण साधन हैं। यद्यपि दोनों का उद्देश्य वित्तीय संसाधनों के प्रवाह का विश्लेषण करना है लेकिन उनकी कार्यप्रणाली एवं केंद्र अलग अलग हैं। कोष प्रवाह विवरण मुख्य रूप से कार्यशील पूँजी में होने वाले परिवर्तनों को स्पष्ट करता हैए जबकि रोकड़ प्रवाह विवरण संस्था की रोकड़ एवं रोकड़ समतुल्य की प्राप्तियों तथा भुगतानों को प्रदर्शित करता है। वर्तमान व्यावसायिक वातावरण में संस्था के लिए केवल लाभ कमाना पर्याप्त नहीं है उसके पास पर्याप्त रोकड़ एवं कार्यशील पूँजी का होना भी आवश्यक है। रोकड़ प्रवाह विवरण संस्था की अल्पकालीन तरलता तथा भुगतान क्षमता के मूल्यांकन में अधिक प्रभावी है जबकि कोष प्रवाह विवरण वित्तीय संसाधनों एवं कार्यशील पूँजी के व्यापक विश्लेषण में उपयोगी है।

अतः यह कहा जा सकता है कि दोनों विवरण एक दूसरे के विकल्प नहीं बल्कि पूरक हैं। संस्था की वित्तीय स्थिति का अधिक प्रभावी एवं व्यापक मूल्यांकन करने के लिए दोनों विवरणों का संयुक्त अध्ययन किया जाना चाहिए।

संदर्भ सूची

1. महेश्वरीए एस. एन. एवं महेश्वरी ए एस.
2. जैन एवं नारंग
3. गुप्ताए आर.एल.एवं राधास्वामी
4. अरुण कुमार एवं रमेश कुमार

Aryavart Journal of Multidisciplinary Research
(NATIONAL PEER REVIEWED E-RESEARCH JOURNAL)
E-ISSN 3107-6009

5. खान एवं जैन
6. भारतीय लेखांकन एवं वित्तीय रिपोर्टिंग से संबंधित प्रकाशित सामग्री।
7. कंपनियों की प्रकाशित वार्षिक रिपोर्ट।
8. वित्तीय प्रबंधन एवं प्रबंधन लेखांकन से संबंधित शोध.पत्र एवं अध्ययन सामग्री।
9. विश्वविद्यालयीय वाणिज्य एवं प्रबंधन अध्ययन सामग्री।
10. वित्तीय विवरण विश्लेषण से संबंधित अकादमिक पुस्तकें एवं शोध सामग्री।
11. लेखांकन मानकों एवं वित्तीय रिपोर्टिंग से संबंधित आधिकारिक सामग्री।
12. प्रबंधन लेखांकन से संबंधित प्रकाशित अध्ययन।
13. वित्तीय विश्लेषण एवं वित्तीय नियोजन से संबंधित शोध साहित्य।

Aryavart
Journal of Multidisciplinary Research